चेक बाउन्स के मामले पर जिला अदालत का आदेश

फरार डायरेक्टर के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी

हरिभूमि जबलपुर।

चेक बाउन्स के 8 साल पुराने मामले में जिला अदालत ने एक रियल्टी कंपनी के डायरेक्टर के लगातार गैरहाजिर रहने को गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ उसे फरार घोषित किया, बल्कि उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने के भी निर्देश दिए हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राखी साहू की अदालत ने बार-बार जारी नोटिस के तामील न होने के मद्देनजर यह आदेश दिया।

आवेदक धर्मेन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर इस मामले में कहा गया है कि उन्होंने दो प्लॉट को खरीदने का अनुबंध राइट टाउन में स्थित आईजीआईएस रियल्टी प्रा. लि. कंपनी के डायरेक्टर विपिन तिवारी से वर्ष 2016 में किया था। इसके लिए आवेदकों ने विपिन तिवारी को 6-6 लाख (कुल 12 लाख) रुपए का भुगतान किया था। डायरेक्टर द्वारा लगातार की जा रही टालमटोली से तंग आकर आवेदकों ने प्लॉट खरीदने से मना कर दिया और दी गई राशि वापस मांगी। कंपनी के डायरेक्टर विपिन तिवारी

ने आवेदकों को 6-6 लाख रुपए के दो चेक दिए। बेंक में पेश किए जाने पर दोनों ही चेक बाउन्स हो जाने पर यह मामला जिला अदालत में वर्ष 2017 में दाखिल किया गया था।

मामले पर हुई सुनवाई के दौरान आवेदक की ओर से अधिवक्ता अतुल जैसवानी हाजिर हुए। अदालत ने पाया कि कंपनी के डायरेक्टर विपिन तिवारी के खिलाफ लगातार वारंट जारी होने के बाद भी वह हाजिर नहीं हुआ है। इसे गंभीरता से लेते हुए अदालत ने विपिन तिवारी के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने के निर्देश दिए।

कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने वाले को आजीवन कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश रजक की अदालत ने कुल्हाड़ी हत्या के आरोपित जबलपुर निवासी कल्याण सिंह का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ उसे आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही साढ़े तीन हजार रुपये जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक संदीप जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि चरगवां के ग्राम हीरापुर में विवाद होने की सूचना पर पहुंची पुलिस को पन्नालाल ने बताया था कि उसकी चचेरी बहन गुड्डी बाई का विवाह आरोपित कल्याण सिंह के साथ हुआ था। गुड्डी बाई की पुत्री भागवती ग्राम कोहली निवासी अमलेश के साथ भाग गई थी। जिस बात को लेकर आरोपित कल्याण सिंह उसे अर्थात गुड्डी बाई को परेशान करता था। 28 दिसंबर, 2020 को आरोपित कल्याण सिंह ने गुड्डी बाई के साथ मारपीट की थी। उसके बाद कल्याण सिंह के पुत्र शिवम ने फोन कर बताया कि उसके पिता कल्याण सिंह दवाई पीकर लेटे है, जो उठ नहीं रहे। जिसके बाद पन्नालाल अपनी पत्नी कल्लू बाई, बहू अंजना बाई, पन्नालाल का चाचा रज्जू, चाची पार्वती बाई तथा पन्नालाल की चचेरी बहन गुड्डी बाई, ग्राम हीरापुर स्थित आरोपित कल्याण सिंह के घर पहुंचे। जिनकी आवाज सुनकर आरोपित घर से बाहर आया और गालीगलौज करने लगा। इसके बाद अंदर से कुल्हाड़ी लेकर आया सभी पर हमला कर दिया। जिसके बाद पीड़ित पक्ष अपनी जान बचाकर यहां वहां भागे, उसी दौरान आरोपित कल्याण सिंह ने रज्जू सिंह की गर्दन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया था। विचारण उपरांत न्यायालय ने कल्याण सिंह को उक्त सजा से दंडित किया।

स्वामी विवेकानंद जयंती अंतर्गत युवा सप्ताह में हुआ नशा मुक्ति कार्यक्रम

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में विवेकानंद जयंती युवा दिवस सेवा सप्ताह के अंतर्गत नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन डॉक्टर धीरेंद्र बघेल के नेतृत्व में एन एस एस एवं युवा रेड क्रॉस क्लब द्वारा आयोजित किया गया। नशा मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा नशा मुक्ति पर पोस्टर बनाए गए। इसी कार्यक्रम में नशा मुक्ति पर एक व्याख्यान माला का आयोजित किया गया सर्वप्रथम डॉक्टर बघेल ने विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की हिदायत दी। नशा व्यक्ति की सोचने समझने की ताकत छीन लेता है और देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रहा है इससे हमें दूर रहना है। इस अवसर पर डॉक्टर मीनाक्षी डॉ.सुदेश कुमार महरौलिया एवं सुश्री सुषमा मरावी ने अपने विचार रखें।

सरस्वती शिशु मंदिर उमावि गढ़ा में विद्वत परिषद सम्मेलन आज

जबलपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंगानगर गढ़ा में विद्वत परिषद सम्मेलन आज 11 जनवरी को जगतगुरु नरसिंह देवाचार्य महाराज के सान्निध्य में आयोजित है, जिसके मुख्य अतिथि राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री मप्र, मुख्य वक्ता अमित दवे प्रांत संगठन मंत्री महाकोशल प्रांत, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुधीर अग्रवाल प्रादेशिक सचिव महाकोशल प्रांत होंगे। कार्यक्रम में गढ़ा शिक्षा समिति के समस्त पदाधिकारीगणों ने समस्त गढ़ा क्षेत्र के विद्वानजनों को आमंत्रित किया है।

महर्षि पत्रकारिता सम्मान समारोह कल

हरिभूमि जबलपुर के संपादकीय प्रभारी योगेश गुप्ता होंगे सम्मानित

जबलपुर। विश्व के 200 से अधिक देशों में भारतीय आध्यात्म एवं भावातीत ध्यान के जनक, नर्मदा की माटी के गौरव पुत्र महर्षि महेश योगी की 107वी जयंती पर पूरी दुनिया में धूमधाम से आयोजन किये जा रहे हैं। इसी क्रम में पिछले 25 वर्षों से सकारात्मक पत्रकारिता के लिये निरंतर जारी 'महर्षि पत्रकारिता सम्मान समारोह' इस वर्ष भी 12 जनवरी को अपराह्न 1 बजे शहीद स्मारक परिसर में आयोजित किया जा रहा है। सम्मान समारोह में हरिभूमि जबलपुर के संपादकीय प्रभारी योगेश गुप्ता को महर्षि पत्रकारिता सम्मान से पुरुस्कृत किया जायेगा। चयन समिति के डॉ. पंकज शुक्ला, मनीष गुप्ता, व्ही. के. सिन्हा, अविनाश दीक्षित के चयन अनुसार लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड इस वर्ष वरिष्ठ पत्रकार विपल्व अग्रवाल व उज्जवल शुक्ला को प्रदान किया जायेगा। वहीं देवेन्द्र केशरवानी, अमित चौरसिया, विवेक दुबे, अभिशंकर नागाईच, योगेश गुप्ता, विकास तिवारी, नीरज मिश्रा, मनीष दुबे, फोटोग्राफर शंकर विश्वकर्मा, फोटोग्राफर अमित सहित इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया से मिस्टर डेविड एवं मैडम भाटिया आदि को प्रदान किया जायेगा। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, युवा समाजसेवी बाबू विश्वमोहन, महापौर जगत बहादुर 'अन्नू', पूर्व विधायक नित्यनिरंजन खम्परिया, उद्योगपति कैलाश गुप्ता उपस्थित रहेंगे। महर्षि संस्थान के संस्थापक जादूगर एस. के. निगम ने बताया कि मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी एक्सप्रेस के रविन्द्र बाजपेई मार्गदर्शन करेंगे। आयोजन समिति के विजय जयसवाल, आर. के. टेहनगुरिया, विंग कमांडर चंदन शर्मा, पूर्व न्यायाधीश मीना भट्ट, प्रतुल श्रीवास्तव, मोहित ओबेराय, राजेश पाठक, राजीव गुप्ता, मुन्ना गुजर आदि ने उपस्थिति की अपील की हैं।

खटवानी किआ शोरुम में हुआ एसयूवी ऑल न्यू सेलटॉस का लॉन्चिग समारोह

जबलपुर। खटवानी किआ के नए करमेता शोरूम में लोकप्रिय एसयूवी ऑल न्यू सेलटॉस का भव्य लॉन्च हुआ। इस अवसर पर खटवानी किआ के संचालक श्री रोहित खटवानी ने बताया कि पिछले 6 वर्षों में जबलपुर में 7,500 से अधिक संतुष्ट किआ ग्राहक बनाकर कंपनी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। GM श्री शरद शर्मा ने कहा कि नई SELTOS अपनी श्रेणी में सबसे लंबी SUV है और इसमें 24 स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स, 18 इंच एलॉय व्हील्स, 30 इंच ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले, 10-वे एडजस्टेबल ड्राइवर सीट और ADAS लेवल 2 के अंतर्गत 21 सेफ्टी फीचर्स उपलब्ध हैं। मुख्य अतिथि श्री अभिलाष पांडे, विधायक जबलपुर पूर्व ने नई SELTOS का लोकार्पण किया। मध्यप्रदेश की पहली कार डॉ. सुरेश पटेल और शुभमय जैन को दी गई। खटवानी ग्रुप ने नववर्ष के अवसर पर सभी SUV मॉडल पर नए ग्राहकों के लिए आकर्षक उपहार, फाइनेंस और एक्सचेंज सुविधा की घोषणा की। लॉन्चिंग में ग्राहक नई SELTOS की डिज़ाइन और सुविधाओं से काफी प्रभावित नजर आए।

महापौर, अध्यक्ष, एमआईसी सदस्य तथा जनसंगठनों ने पुलिया का किया निरीक्षण

गोहलपुर पुलिया की कुल चौड़ाई 80 फीट होगी

जबलपुर। गोहलपुर पुलिया के चौड़ीकरण हेतु तीन करोड़ 54 लाख का टेंडर जारी हुआ है, महत्वपूर्ण यह है कि इस पुलिया का 80 फुट तक चौड़ीकरण होगा, जिससे आये दिन हो रही जाम की स्थिति से राहत मिलेगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने 10 जनवरी को अध्यक्ष रिंकू विज तथा एमआईसी सदस्यों के साथ गोहलपुर पुलिया का मौके पर निरीक्षण किया। इस अवसर पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच तथा भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसियेशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि टेंडर की अवधि एक माह की रखी गई है उसके पश्चात मार्च माह में कार्य का भूमि पूजन कर इस नये पुल का लोकार्पण जून में किया जाएगा। डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि पूर्व में 06 टेंडर जारी हो चुके थे जिनमें वॉटर सप्लाई की पाइप लाइनों की अड़चनों के कारण टेंडर पर काम नहीं हुआ, लेकिन इस अवरोध को टाला गया है। इस अवसर पर टीके रायघटक, संतोष श्रीवास्तव, अर्जुन कुमार, लखनलाल प्रजापति, सुशीला कनौजिया, कुंदनसिंह नेगी, मोहम्मद हारून, पीएस राजपूत तथा राममिलन शर्मा ने नये टेंडर पर खुशी जाहिर करते हुए उम्मीद जताई है कि आगामी छह माह के भीतर गोहलपुर पुलिया की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

भाटादोन में कांग्रेस का मिलन समारोह आयोजित

सिहोरा। ग्राम भाटादोन मे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के मार्गदर्शन में एवं विधानसभा प्रभारी देवी सिंह चौहान की उपस्थिति में संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने हेतु बिहारी पटेल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस सिहोरा के संयोजन में कार्यकर्ता मिलन समारोह एवं वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी कांग्रेस जनों ने अतिथियों का स्वागत किया। मिलन समारोह मे संगठन सृजन के अंतर्गत जिन मुख्य विंदुओं पर चर्चा की गई उसमें मंडलम एवं पंचायत स्तर पर मजबूत कमेटियों के साथ नगर पालिका क्षेत्र में वार्ड कमेटियों का गठन करने के साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का गठन,महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना सहित बी,एल,ए,पुनर्गठन पर चर्चा की गई। मिलन समारोह मे आगामी लक्ष्यों हेतु कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करने हेतु विचार विमर्श किया इस अवसर पर अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्टेशन चेकिंग के दौरान जीआरपी चौकी मदनमहल ने पकड़ी अंग्रेजी शराब

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर शिमाला प्रसाद के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर भावना मरावी के दिशा निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रेल अंकिता सुल्या के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी जीआरपी थाना जबलपुर संजीवनी राजपूत के कुशल नेतृत्व में जीआरपी मदनमहल में गठित टीम द्वारा दिनाँक 09.01.2026 को ट्रेनों में व स्टेशनों में चोरी करने वाले अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान व स्टेशन चेकिंग के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना पर रेलवे स्टेशन मदनमहल के प्लेटफार्म नं. 04 स्लैब ब्रिज के पास आरोपी अंशु रायकवार पिता गौरीशंकर रायकवार उम्र 19 साल निवासी ग्राम चितुवा थाना चिरूला जिला दतिया (मध्यप्रदेश) को पकड़ा गया, जिसके कब्जे से 24 नग (हाफ) शीशी प्रत्येक 375 एमएल की कुल 09 लीटर अंग्रेजी शराब पेंटागान गोल्ड एडीशन कंपनी की कुल कीमती 8640/- रूपये की अवैध रूप से रखे पाये जाने पर मौके पर विधिवत जब्ती की गई। आरोपी से शराब के परिवहन (लाने ले जाने के संबंध में) पूछताछ की जा रही है। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34 आबकारी एक्ट के अंतर्गत पाये जाने से आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना की जा रही है। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी सउनि जे.एस. धुर्वे, प्र.आर. 281 विनोद तिवारी, आरक्षक 03 मनीष शर्मा, आर. 315 विमलेश ठाकुर की सराहनीय भूमिका रही।

सहायिकाओं को संगठन ने बांटे गर्म कपड़े

जबलपुर। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन द्वारा शालाओं में कार्यरत सहायिकाओं को गर्म/ऊलन वस्त्र वितरित किए गए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि कड़ाके की ठंड में सुबह से शाम तक विद्यालयों में बर्तन साफ करने, भोजन वितरण व साफ-सफाई जैसे कार्य करने वाली सहायिकाओं को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गर्म कपड़ों के अभाव में उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए संगठन ने यह सेवा कार्य किया, जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके। इस अवसर पर संगठन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आलगोडा में मारुति नंदन महायज्ञ की पूर्णाहुति आज

सिहोरा। निकटवर्ती ग्राम आलगोडा में आयोजित सप्त दिवसीय श्री मारुति नंदन महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ ही आज समापन होगा। ग्राम में आयोजित हो रहे यज्ञ में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। 1008 श्री सुरेन्द्र दास जी महाराज की अगुआई में चल रहे यज्ञ में प्रतिदिन पंडित हेमंत पांडे वृंदावन धाम द्वारा प्रवचनों की अमृत वर्षा की जा रही है इसमें यज्ञाचार्य पूज्य गुरुदेव हरिहर महाराज है। आज समापन होने वाले यज्ञ में आलगोडा के साथ निकटवर्ती दर्जनों ग्रामों के भक्त गण पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। सोमवार को विशाल कन्या भोजन एंव भंडारे का आयोजन किया गया है।

विश्व हिन्दी दिवस पर हुई अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

जबलपुर। हिन्दी विभाग, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल कॉलेज जबलपुर द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर "वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी : भाषा, साहित्य और तकनीक" विषय पर अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पुष्पिता अवस्थी तथा मुख्य वक्ता डॉ. संदीप अवस्थी और डॉ. निशा गिरि रहे। वक्ताओं ने हिन्दी के वैश्विक विस्तार, साहित्य के योगदान एवं तकनीक व एआई में हिन्दी की भूमिका पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र में लगभग 20 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने हिन्दी के शुद्ध प्रयोग पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति उकास ने किया तथा आभार प्रदर्शन लल्ला बाई लोधी ने किया।

पोंडा तहसील के ग्राम पोड़ी कला का मामला

प्रशासन ने गरीब के आवास पर बुलडोजर चलाकर छीना आशियाना

सिहोरा। महंगाई के दौर में पूरी जमा-पूंजी लगाने के बाद भी अपने सपनों का आशियाना खड़ा करने जैसे मुश्किल काम को आसान करते हुऐ केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजना प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) ने लोगों के सपनों को तो सकार कर दिया लेकिन प्रशासन के नुमाइंदे ही सपनों के घरोंदों का जमींदोज करने उतारु है।मामला पोंडा. तहसील अन्तर्गत ग्राम पोंडीक़ला है । जहां गत दिवस राजस्व अमले ने पी एम आवास स्वामी की अनुपस्थिती में न केवल बुलडोजर चलवाकर आवास जमींदोज कर दिया बल्कि गरीब की ग्रहस्थी भी चकनाचूर कर दी। मानवता की सारी हदें पार करते हुए प्रशासन ने बेदखली की कार्यवाही को उस समय अंजाम दिया जब पीड़ित त्रयोदशी कार्यक्रम में किसी अन्य शहर गया था।

कड़कड़ाती ठण्ड में खुले आसमान के नीचे गुजारी रात

प्राप्त जानकारी के अनुसार पोड़ी कला निवासी शर्मा दंपती रेखा पति राजेन्द्र शर्मा जब त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गांव पहुंचे तब तक उनका आशियाना पुरी तरह उजड़ गया था जहां तहां गरीब की ग्रहस्थी का समान बिखरा पड़ा था।जैसे तैसे समान एकत्रित कर कड़कड़ाती ठण्ड में पीड़ित परिवार ने रात गुजारी लेकिन प्रशासन ने विस्थापन की कोई व्यवस्था नहीं की।

क्या है मामला

ग्राम पोड़ी कला के खसरा नं 418 ग्राम अवादी भुमी में दर्ज है। न्यायलय तहसीलदार मझौली द्वारा वर्ष 2014 में रेखा बाई पति राजेन्द्र शर्मा के नाम ग्राम की शादी के भुखण्ड धारक का प्रमाण पत्र जारी किया गया था वर्ष 2022 में पी एम आवास योजना के अन्तर्गत पीड़ित ने अपने आशियाना का सपना साकार कर जीवन यापन आरंभ कर दिया। लेकिन पोंडा के तहसील बनने के बाद कार्यालय निर्माण हेतु खसरा नं 418 की भूमी आंवटित की गई। वर्षों से काबिज पी एम आवास धारक बिजली कनेक्शन धारी को एकाएक अतिक्रमणकारी करार घोषित कर दिया गया।

न्याय के लिए दर दर भटक रह परिवार

पीड़ित का कहना है की वो भूमिहीन है उसके पास इसके अलावा कोई दूसरा निवास स्थान नहीं है विकलांग पति साईकल का पंचर बनाने का कार्य करते है इसी से हमारा जीवन यापन होता है। पीड़ित ने मांग की है कि न्यायहित में आवेदिका की अनुपस्थिती में की गई कार्यवाही से हुए नुकसान एंव आवास हेतु स्थान तथा सहायता राशी दिलाई जाये।

पंचायत विभाग से लें जानकारी

तहसील कार्यालय हेतु आवंटित भूमी से अतिक्रमण हटाया गया है। पी एम आवास का लाभ उन्हें कैसे मिला इसकी जानकारी पंचायत विभाग से ले।

ललित ग्वालवंशी, तहसीलदार पोंडा

कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वन मण्डल जबलपुर
जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि स्व. श्री हंसराज भाई पटेल आ. स्व. श्री नानजी भाई पटेल मेसर्स कल्पना ट्रेडर्स पता 1448 मदन महल गुप्तेश्वर वार्ड जिला जबलपुर (म.प्र.) की मृत्यु दिनांक 18/02/2021 को हो जाने के फलस्वरूप उनके स्वामित्व की एक आरामशीन (माननीय उच्चतम न्यायालय में प्रेषित सूची में क्रमांक 94) के संचालन हेतु अनुज्ञप्ति धारक का नाम विलोपित कर श्री वरुण पटेल आ. श्री तिलक पटेल का नाम दर्ज किये जाने बावद आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने पर काष्ठ आधारित उद्योगों हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति भोपाल की की बैठक दिनांक 09/06/2025 में एजेण्डा क्रमांक 1.10 में लिये गये निर्णय अनुसार - चूँकि प्रकरण उत्तराधिकारी को अनुज्ञप्ति स्थानांतरित करने से संबधित है ।अत: कलेण्डर वर्ष 2018-2020 तक की जारी आरामशीन अनुज्ञप्ति क्रमांक/JBP/SM /2018/148 में अनुज्ञप्ति धारक का नाम मेसर्स कल्पना ट्रेडर्स प्रो. श्री हंसराज भाई पटेल आ. स्व. श्री नानजी भाई पटेल पता 1448 मदन महल गुप्तेश्वर वार्ड जिला जबलपुर (म.प्र.) का नाम दर्ज चला आ रहा है अब नामांतरण आवेदन पर कार्यवाही अनुसार श्री वरुण पटेल आ. श्री तिलक पटेल का नाम म.प्र. काष्ठ चिरान (विनियमन) नियम 1984 के प्रारूप "ग" नियम 4 (1) के अंतर्गत किया जाना प्रस्तावित है । यदि किसी अन्य व्यक्ति/ संस्था/वसीयतधारी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति मैं मूल दस्तावेजो सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करे । इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे को मान्य नही किया जावेगा ।

वनमंडलाधिकारी/अनुज्ञप्ति अधिकारी
सा. वनमंडल जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वन मण्डल जबलपुर
जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि स्व. श्री कांतिलाल पटेल आ. स्व. श्री मेसर्स कांति टिम्बर स्टोर्स पता 402 नरसिंह वार्ड मदन महल जबलपुर जिला जबलपुर (म.प्र.) की मृत्यु दिनांक 14/01/2019 को हो जाने के फलस्वरूप उनके स्वामित्व की एक आरामशीन (माननीय उच्चतम न्यायालय में प्रेषित सूची में क्रमांक 90) के संचालन हेतु अनुज्ञप्ति धारक का नाम विलोपित कर श्री मनोहर पटेल आ.स्व. श्री कांतिलाल पटेल का नाम दर्ज किये जाने बावद आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने पर काष्ठ आधारित उद्योगो हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति भोपाल की की बैठक दिनांक 09/06/2025 में एजेण्डा क्रमांक 1.10 में लिये गये निर्णय अनुसार - चूँकि प्रकरण उत्तराधिकारी को अनुज्ञप्ति स्थानांतरित करने से संबधित है ।अत: कलेण्डर वर्ष 2018-2020 तक की जारी आरामशीन अनुज्ञप्ति क्रमांक/JBP/SM/2018/129 में अनुज्ञप्ति धारक का नाम मेसर्स कांति टिम्बर स्टोर्स प्रो. स्व. श्री कांतिलाल पटेल आ.स्व. श्री वीरजी भाई पटेल पता 402 नरसिंह वार्ड मदन महल जबलपुर जिला जबलपुर (म.प्र.) का नाम दर्ज चला आ रहा है अब नामांतरण आवेदन पर कार्यवाही अनुसार श्री मनोहर पटेल आ.स्व. श्री कांतिलाल पटेल का नाम म.प्र. काष्ठ चिरान (विनियमन) नियम 1984 के प्रारूप "ग" नियम 4(1) के अंतर्गत किया जाना प्रस्तावित है । यदि किसी अन्य व्यक्ति / संस्था / वसीयतधारी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति मैं मूल दस्तावेजो सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें । इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे को मान्य नहीं किया जावेगा ।

वनमंडलाधिकारी/अनुज्ञप्ति अधिकारी
सा. वनमंडल जबलपुर (म.प्र.)

सिबिल स्कोर अच्छा होने के बावजूद क्रेडिट कार्ड क्यों हो जाता है रिजेक्ट

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुका है। लोग ऑनलाइन शॉपिंग, बिल पेमेंट, ट्रैवल और कैशलेस ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड का सहारा लेते हैं। आम धारणा यह है कि अगर आपका सिबिल स्कोर अच्छा है तो बैंक आसानी से आपका क्रेडिट कार्ड अप्रूव कर देगा, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हमेशा जरूरी नहीं है। कई बार सिबिल स्कोर मजबूत होने के बावजूद भी बैंक क्रेडिट कार्ड रिजेक्ट कर देते हैं।

कार्ड की कैटेगरी व इनकम का मेल जरूरी

जानकारों का कहना है कि क्रेडिट कार्ड रिजेक्शन का सबसे बड़ा कारण कार्ड की कैटेगरी और आवेदक की इनकम होती है। उन्होंने कहा, "जिस क्रेडिट कार्ड के लिए आप आवेदन कर रहे हैं, क्या आपकी सैलरी उस कार्ड के लिए तय मानकों के अनुरूप है?" कई बार लोग प्रीमियम या हाई-कैटेगरी कार्ड के लिए आवेदन कर देते हैं, जबकि उनकी इनकम उस स्तर के कार्ड के लिए पर्याप्त नहीं होती। ऐसे मामलों में बैंक अप्रूवल देने से बचता है।

नौकरी की स्थिरता की अहम भूमिका

क्रेडिट कार्ड अप्रूवल में नौकरी की प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। स्थायी नौकरी करने वाले कर्मचारियों को बैंक अपेक्षाकृत सुरक्षित मानते हैं। वहीं, कॉन्ट्रैक्ट या अस्थायी नौकरी करने वालों के प्रोफाइल को बैंक ज्यादा जोखिम भरा मान सकते हैं, जिससे कार्ड रिजेक्ट होने की संभावना बढ़ती है।

बार-बार आवेदन नुकसानदेह

कम समय में कई बैंकों से क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करना भी नेगेटिव सिग्नल माना जाता है। बार-बार आवेदन करने से क्रेडिट प्रोफाइल प्रभावित होती है और बैंक इसे वित्तीय दबाव का संकेत मान सकते हैं।

मौजूदा लोन व ईएमआई भी देखता है बैंक

अगर किसी व्यक्ति पर पहले से कई लोन या भारी ईएमआई का बोझ है, तो बैंक नए क्रेडिट कार्ड के लिए मंजूरी देने में हिचकिचाता है। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ग्राहक की आय और खर्चों में संतुलन बना हुआ हो।

खाते वाले बैंक से कार्ड लेना फायदेमंद

विशेषज्ञों की सलाह है कि क्रेडिट कार्ड के लिए सबसे पहले अपने मौजूदा बैंक को प्राथमिकता दें। जिस बैंक में आपका सेविंग अकाउंट है, वह आपके ट्रांजैक्शन पैटर्न और फाइनेंशियल बिहेवियर को बेहतर तरीके से समझता है, जिससे अप्रूवल के चांस बढ़ जाते हैं।

कम क्रेडिट कार्ड, ज्यादा भरोसेमंद प्रोफाइल

- अंत में विशेषज्ञों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक या दो क्रेडिट कार्ड तक ही सीमित रहना चाहिए।
- ज्यादा क्रेडिट कार्ड होने पर बैंक आपके प्रोफाइल को जोखिम भरा मान सकता है, जिससे नए आवेदन रिजेक्ट होने की आशंका बढ़ जाती है।

क्या है सिबिल स्कोर

सिबिल स्कोर एक 3-डिजिट का नंबर होता है जो आपकी क्रेडिट हिस्ट्री को दर्शाता है। यह नंबर 300 से 900 के बीच होता है, और यह आपकी क्रेडिटवर्थीनेस को मापता है। सिबिल स्कोर आपके लायन, क्रेडिट कार्ड, और अन्य क्रेडिट प्रोडक्ट्स के भुगतान इतिहास, क्रेडिट उपयोग, और अन्य कारकों के आधार पर गणना किया जाता है।

सिबिल स्कोर के फायदे

- लायन और क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने में मदद करता है
- कम ब्याज दर पर लायन प्राप्त करने में मदद करता है
- क्रेडिटवर्थीनेस को बढ़ाता है
- वित्तीय योजना बनाने में मदद करता है

सिबिल स्कोर को कैसे बढ़ाएं

- समय पर भुगतान करें
- क्रेडिट उपयोग को कम रखें
- क्रेडिट रिपोर्ट में गलतियों को सुधारें
- नए क्रेडिट अकाउंट न खोलें
- क्रेडिट हिस्ट्री को लंबा रखें

निवेशक सोने और चांदी की तरफ कर रहे रुख, पोर्टफोलियो में बनाएं विविधता

अस्थिरता के दौर में गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ?

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी जोड़कर विविधता लाएं

सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं।

अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच, निवेशक तेजी से सोना और चांदी जैसे पारंपरिक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए मुख्य सवाल अब यह है कि क्या उन्हें गोल्ड ईटीएफ, सिल्वर ईटीएफ या दोनों का मिश्रण चुनना चाहिए? बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के दौरान पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए। क्योंकि सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है। सिल्वर ईटीएफ को कम अनुपात में रखा जा सकता है क्योंकि इनमें अधिक उतार-चढ़ाव होता है और इनकी मांग काफी हद तक औद्योगिक उपयोग पर निर्भर है।

अलग-अलग भूमिका है दोनों धातुओं की

दोनों धातुएं पारंपरिक रूप से अलग-अलग भूमिकाएं निभाती हैं। पोर्टफोलियो पोजिशनिंग के दृष्टिकोण से अधिकांश निवेशकों को दोनों में संतुलित निवेश रखना चाहिए। सोना प्राथमिक सुरक्षित-निवेश एंकर बना रहना चाहिए, जबकि चांदी पूरक भूमिका निभाते हुए कुछ चरणों में अधिक रिटर्न दे सकती है। निवेशक यह कभी न भूलें कि कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता। इसलिए इक्विटी और डेट सहित मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है।

मौजूदा समय में पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए

■

सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है

■

निवेशक ध्यान रखें कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता

नए निवेशक क्या करें?

इस सप्ताह सोना और चांदी मजबूत बढ़त के साथ खुले और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अनिश्चितता के इस दौर में यह सवाल भी उभरता है कि पहली बार निवेश करने वालों के लिए फोकस कहां होना चाहिए? ऐतिहासिक रूप से भू-राजनीतिक तनाव के समय सोना मजबूत सुरक्षित-निवेश माना गया है और केंद्रीय बैंकों की अधिक भागीदारी, व्यापक वैश्विक स्वीकार्यता और गहरी लिक्विडिटी के कारण सोना आमतौर पर संकट के समय बेहतर प्रदर्शन करता है। पहली बार निवेश करने वालों को सोने के ईटीएफ में मुख्य सुरक्षित-निवेश करना चाहिए, लेकिन पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी भी जोड़कर विविधता लाई जा सकती है।

मुद्रा विनिमय दर का भी होता है असर

मुद्रा विनिमय दरों का उतार-चढ़ाव भी सोना और चांदी ईटीएफ से मिलने वाले रिटर्न को प्रभावित करता है। सोना एक कीमती धातु के रूप में, आम तौर पर डॉलर और ब्याज दरों में बदलाव के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, जबकि चांदी मुद्रा उतार-चढ़ाव के अलावा वैश्विक वृद्धि की उम्मीदों पर भी प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष ने तेल की कीमतों और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। बढ़ती तेल कीमतें मुद्रास्फीति को ऊपर धकेल सकती हैं, जिससे आम तौर पर कीमती धातुओं को समर्थन मिलता है क्योंकि निवेशक बढ़ती लागत के खिलाफ हेज की तलाश करते हैं।

डॉलर की कीमत कैसे करेगी प्रभावित?

वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद दिए गए बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब हम वेनेजुएला को चलाने जा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका अन्य देशों को वेनेजुएला का काफी तेल बेचेगा। इन हालात में निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि डॉलर की मजबूती और मुद्रा-विनिमय उतार-चढ़ाव सोना और चांदी की कीमतों को कैसे प्रभावित करते हैं? असल में सोना और चांदी दोनों ही आम तौर पर डॉलर के विपरीत दिशा में चलते हैं। मजबूत डॉलर कीमतों पर दबाव डालता है, जबकि कमजोर डॉलर उन्हें सपोर्ट करता है। सोना मुद्रा और ब्याज-दर के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील है, जबकि चांदी पर आर्थिक और औद्योगिक गतिविधि का भी प्रभाव होता है। सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, चांदी के औद्योगिक उपयोग के कारण कमजोर डॉलर अक्सर इस कीमती धातु में तेज बढ़त को ट्रिगर करता है क्योंकि विदेशी विनिर्माण मांग बढ़ जाती है।

आक्रामक रणनीति नहीं रीबैलेंसिंग करें

एक सवाल यह भी है कि निवेशकों के लिए मौजूदा परिस्थिति में क्या यह समय एक्सपोजर बढ़ाने का है या सिर्फ मौजूदा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने का? दूसरी बात क्या बढ़ती मुद्रास्फीति या तेल कीमतें गोल्ड बनाम सिल्वर के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती हैं? ऐसे में मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है, क्योंकि कोई भी एसेट हमेशा नहीं जीतता। इसके बावजूद मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कीमती धातुएं अब भी पोर्टफोलियो की सुरक्षा और विविधता के लिए आकर्षक विकल्प हैं। साथ ही निवेशक आक्रामक रूप से एक्सपोजर बढ़ाने के बजाय मौजूदा होल्डिंग्स को रीबैलेंस करें और बढ़ती मुद्रास्फीति और तेल कीमतें आम तौर पर सोने को समर्थन देती ही हैं।

नए साल में करें नई शुरुआत कुछ बातों पर रखें फोकस शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे

निवेश, बचत और वेल्थ बनाने के लिए तैयार करें बेहतर रणनीति

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"आज के समय में स्वास्थ्य का खर्च इतना ज्यादा हो गया है कि अगर आपको या परिवार के किसी सदस्य को अस्पताल में भर्ती होना पड़ जाए तो आपकी अच्छी खासी बचाई गई रकम इलाज और अस्पताल का बिल भरने में खर्च हो सकती है। इससे आपके निवेश की योजना और निवेश के लक्ष्यों के लिए कदम आगे बढ़ा पाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

नए साल पर सभी कुछ न कुछ संकल्प लेते हैं। इसलिए निवेश के क्षेत्र में भी यह समय कुछ न कुछ बेहतर रणनीति बनाने का है। नया साल 2026 शुरू हो गया है। कमाई, बचत और निवेश को लेकर भी नए साल में कुछ न कुछ रिजॉल्यूशन जरूर लें। नए निवेशक जहां नई शुरुआत के लिए विकल्प और तरीकों पर बात करेंगे, वहीं जो लोग पहले से निवेश कर रहे हैं, वो कुछ न कुछ बदलाव या डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोच रहे होंगे। हर कोई अपनी-अपनी समझ और तरीकों से अपनी फाइनेंशल प्लानिंग बनाता और उस पर आगे बढ़ता है। निवेश के तेजी से उभरते विकल्पों की बात करें तो शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नए साल की नई शुरुआत के बीच एक्सपर्ट के नजरिए से समझते हैं कि निवेशक को 2026 में किन बातों पर फोकस करना चाहिए, जिससे कि कमाई, बचत और निवेश का संतुलन बना रहे, वेल्थ बनता रहे और फाइनेंशियल लक्ष्यों को हासिल करना आसान रहे।

जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा लिया है?

निवेश की शुरुआत करने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना बेहद जरूरी है कि क्या आपने पर्याप्त जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा कवर लिया है या नहीं? अगर नहीं है या पर्याप्त नहीं है, तो 2026 में सबसे पहले आप ये दोनों कवर जरूर करा लें। जीवन बीमा आपके परिवार और आप पर निर्भर लोगों को उस समय आर्थिक मदद करता है, जब कोई अनहोनी होती है। इसी तरह, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा भी रखना जरूरी है।

क्या फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा की

नए साल में सबसे अहम बात कि अपने फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा करें। ऐसा इसलिए जरूरी है कि हर साल बाजार में उठापटक, रिस्क प्रोफाइल, इनकम और खर्चों में उतार-चढ़ाव है। ऐसे में इस बात का आकलन करना अहम हो जाता कि क्या आपने निवेश के जिन एसेट क्लास में पैसा लगाया है, उनकी परफार्मेंस कैसी चल रही है, जोखिम उठाने की क्षमता कम-ज्यादा हुई है या फिर आपके फाइनेंशियल लक्ष्य हासिल करने को लेकर कैसा संकेत है?

मार्केट साइकिल समझना क्यों जरूरी?

नए साल के साथ हमेशा यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बाजार में निवेश का साइकिल कैसा भी हो आपको धैर्य रखना चाहिए। मार्केट साइकिल में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक बात है। कभी बाजार तेजी में होता है तो कभी मंदी में, लेकिन ऐसे समय में निवेश बनाए रखना सबसे जरूरी होता है। घबराकर निवेश निकालने से नुकसान होने की आशंका बढ़ जाती है।

धैर्य रखें, लाभ जरूर मिलेगा

ऐसे में अगर पर धैर्य रखते हैं और लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें बाजार के पूरे साइकिल का लाभ भी आपको मिलेगा। नियमित निवेश, जैसे एसआईपी, बाजार की गिरावट में भी औसत लागत कम करने में मदद करता है। मार्केट साइकिल का इतिहास बताता है कि यह समय के साथ संभलता है और नया हाई बनाता है। इसलिए शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव में पैनिक होने की बजाय लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने पर फोकस करना चहिए।

एसआईपी शुरू करें या निवेश बढ़ाएं

कहा जाता है कि नई शुरुआत करने से ही नए मौके बनते हैं। इसलिए अगर म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं, तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश शुरू कर सकते हैं। वहीं अगर पहले से निवेश कर रहे हैं तो एसआईपी की राशि बढ़ा सकते हैं। एसआईपी शुरू करना या मौजूदा निवेश को बढ़ाना दोनों ही समझदारी भरे फैसले हो सकते हैं। एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करने से बाजार की गिरावट का फायदा मिलता है और औसत लागत कम होती है। वहीं, जिन निवेशकों की कमाई स्थिर है और वे अपने लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट हैं, वे अपने निवेश की राशि बढ़ाकर लंबे समय में बेहतर रिटर्न पा सकते हैं। निवेश हमेशा जोखिम उठाने की क्षमता और समय सीमा के अनुसार करना जरूरी है।

लोन चुकाने के लिए न निकालें ईपीएफ से पैसा हो सकता है नुकसान

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। कई सैलरीड लोगों के लिए ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) की बचत से लोन चुकाना बहुत लुभावना लगता है। लोग सोचते हैं कि इससे बड़ा लोन खत्म, हर महीने का तनाव कम और जीवन कर्जमुक्त हो जाता है। लेकिन पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट चेतावनी देते हैं कि खासकर होम लोन चुकाने के लिए ईपीएफ की रकम निकालना लंबे समय में काफी महंगा पड़ सकता है, जिसे ज्यादातर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

ईपीएफ है रिटायरमेंट का सहारा

ईपीएफ को रिटायरमेंट के लिए बनाया गया है। ये एक मजबूरी वाला लंबे समय का निवेश है। कर्मचारी और कंपनी दोनों की तरफ से पैसा जाता है और सालाना करीब 8.25 प्रतिशत ब्याज मिलता है, वो भी कंपाउंडिंग के साथ। सबसे खास बात यह है कि ब्याज टैक्स-फ्री है। इसलिए ये सैलरीड लोगों के लिए सबसे अच्छा और कम रिस्क वाला तरीका है पैसा बढ़ाने का। ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) के नियमों के मुताबिक, ईपीएफ से निकासी बहुत सीमित है ताकि रिटायरमेंट का पैसा सुरक्षित रहे। आम लोन जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बिल चुकाने के लिए ईपीएफ से पैसा नहीं निकाल सकते। सिर्फ हाउसिंग लोन चुकाने के लिए ही कुछ खास शर्तों के साथ निकासी की इजाजत है, जैसा कि ईपीएफ स्कीम, 1952 में लिखा है।

होम लोन समय के साथ हल्का क्यों लगता है

होम लोन के मामले में समय के साथ बोझ कम होता जाता है। ईएमआई चलते-चलते ब्याज का हिस्सा घटता है और मूल रकम का हिस्सा बढ़ता है। साथ ही, आमतौर पर सैलरी बढ़ती है, इन्फ्लेशन के साथ करियर आगे बढ़ता है, तो ईएमआई का बोझ रिलेटिव तरीके से कम लगने लगता है। टैक्स का भी फायदा है। पुराने टैक्स रिजीम में प्रिंसिपल और ब्याज दोनों पर छूट मिलती है, जिससे लोन की असली लागत कम हो जाती है। नए टैक्स रिजीम में ये फायदा नहीं है, लेकिन एक्सपर्ट कहते हैं कि ईपीएफ का लंबे समय तक कंपाउंडिंग इतना मजबूत है कि वो लोन जल्दी चुकाने से मिलने वाली बचत से ज्यादा फायदा देता है।

ब्याज दर का जाल

पहली नजर में आंकड़े थोड़े भ्रमित कर सकते हैं। अभी होम लोन की दरें करीब 7-7.5 प्रतिशत के आसपास हैं, जो ईपीएफ के 8.25 प्रतिशत से थोड़ी कम लगती हैं। फर्क छोटा-सा दिखता है। लेकिन ईपीएफ का ब्याज टैक्स-फ्री है, तो 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले के लिए ये 8.25 प्रतिशत करीब 11 प्रतिशत के बराबर टैक्सेबल रिटर्न देता है। इतना पोस्ट-टैक्स रिटर्न बहुत कम सुरक्षित निवेश देते हैं।

कब ईपीएफ निकालना सही

ईपीएफओ के नियमों के अनुसार, हाउसिंग लोन चुकाने के लिए ईपीएफ से पैसा सिर्फ एक बार जीवन में निकाला जा सकता है। इसके लिए कुछ शर्तें हैं, जैसे कम से कम 10 साल की सदस्यता, निकासी की सीमा वेतन, बैलेंस या बकाया लोन से जुड़ी होती है। पैसा सीधे लेंडर को जाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि ईपीएफ निकालना सिर्फ कुछ खास स्थितियों में सोचना चाहिए, जैसे: रिटायरमेंट के करीब पहुंच चुके हों और ईपीएफ में काफी ज्यादा बचत हो। बहुत ज्यादा कैश-फ्लो का दबाव हो और कोई दूसरा रास्ता न बचा हो। लोन की बाकी रकम कुल रिटायरमेंट कोष के मुकाबले बहुत छोटी हो। ऐसे मामलों में भी पहले अच्छे से कैलकुलेशन करना और किसी प्रोफेशनल से सलाह लेना बहुत जरूरी है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 6% घटा, पर फ्लेक्सी-कैप ने बनाया रिकॉर्ड

रिपोर्ट | बिजनेस डेस्क

दिसंबर में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड निवेश पर भी साफ नजर आया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 6% घटकर 28,054 करोड़ रुपये रह गया। जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 29,911 करोड़ रुपये था। अगर साल-दर-साल के आधार पर तुलना करें, तो गिरावट और भी साफ दिखती है। दिसंबर 2024 के मुकाबले दिसंबर 2025 में इक्विटी फंड्स में निवेश 32% कम रहा। पिछले साल दिसंबर में इक्विटी फंड्स में 41,155 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। हालांकि पूरे कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 3.03 लाख करोड़ रुपये लगाए।

फ्लेक्सी-कैप फंड्स पर निवेशकों का भरोसा बरकरार

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की कुल 11 कैटेगरी में से 9 में दिसंबर के दौरान निवेश आया। सिर्फ डिविडेंड यील्ड फंड और ईएलएसएस फंड्स से पैसा निकला। इन सभी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे आगे रहे। इस कैटेगरी में दिसंबर के दौरान 10,019 करोड़ रुपये का नेट निवेश हुआ, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। निवेशक में इस बात पर ज्यादा भरोसा नजर आया कि फ्लेक्सी-कैप फंड्स के मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयर्स में निवेश को एडजस्ट कर सकते हैं।

मिडकैप और लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी चर्चा में

फ्लेक्सी-कैप के बाद मिडकैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। दिसंबर में इन फंड्स में 4,175 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं लार्ज एंड मिडकैप फंड्स में 4,093 करोड़ रुपये की आमद दर्ज की गई। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक अभी भी ग्रोथ की संभावनाओं वाले शेयरों में रुचि बनाए हुए हैं।

सेक्टोरल और स्मॉलकैप फंड्स में गिरावट

सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स के लिए दिसंबर थोड़ा फीका रहा. इन फंड्स में निवेश महीने-दर-महीने आधार पर 49% घटकर 945 करोड़ रुपये रह गया। नवंबर में यह आंकड़ा 1,864 करोड़ रुपये था। स्मॉलकैप फंड्स में भी 13% की गिरावट देखने को मिली. दिसंबर में इन फंड्स में 3,823 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। बाजार की वैल्यूएशन और अस्थिरता को देखते हुए निवेशक स्मॉलकैप से थोड़ा सतर्क नजर आए।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड पर भी दिखा

ईएलएसएस और डिविडेंड यील्ड फंड्स से पैसा निकला

दिसंबर में टैक्स सेविंग ईएलएसएस फंड्स से 717 करोड़ की निकासी हुई। वहीं, डिविडेंड यील्ड फंड्स से 254 करोड़ बाहर चले गए। निवेशकों की बदली प्राथमिकताओं का असर यहां साफ दिखा।

पूरे साल 2025 में कौन सी इक्विटी कैटेगरी रही आगे

कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो फ्लेक्सी-कैप फंड्स पूरे साल निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस कैटेगरी में साल भर में 80,978 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 52,321 करोड़ रुपये और मिडकैप फंड्स में 49,939 करोड़ की नेट इनफ्लो दर्ज की गई।

डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर निकाले गए पैसे

जहां इक्विटी में निवेश धीमा पड़ा, वहीं डेट म्यूचुअल फंड्स में दिसंबर के दौरान भारी निकासी देखने को मिली। इस महीने डेट फंड्स से कुल 1.32 लाख करोड़ रुपये बाहर निकल गए। नवंबर में यह निकासी 25,692 करोड़ रुपये थी। दिलचस्प बात यह है कि दिसंबर 2024 में भी डेट फंड्स से करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

16 में से 14 डेट फंड कैटेगरी में आउटफ्लो

डेट फंड्स की 16 कैटेगरी में से सिर्फ ओवरनाइट फंड्स और फ्लोटर फंड्स में निवेश आया। बाकी 14 कैटेगरी में पैसा निकला। लिक्विड फंड्स से सबसे ज्यादा 47,307 करोड़ रुपये की निकासी हुई। इसके बाद मनी मार्केट फंड्स से 40,464 करोड़ रुपये बाहर निकले।

साल भर में डेट फंड्स का हाल

पूरे 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स में कुल 1.19 लाख करोड़ रुपये का नेट निवेश आया। मनी मार्केट फंड्स इस दौरान सबसे आगे रहे, जिनमें 66,993 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं गिल्ट फंड्स में पूरे साल में 5,680 करोड़ रुपये की सबसे ज्यादा निकासी दर्ज की गई।

हाइब्रिड फंड्स में निवेश भी घटा

दिसंबर में हाइब्रिड फंड्स में निवेश 19% घटकर 10,755 करोड़ रुपये रह गया। नवंबर में यह आंकड़ा 13,299 करोड़ रुपये था, जबकि दिसंबर 2024 में हाइब्रिड फंड्स में सिर्फ 4,369 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। पूरे 2025 में हाइब्रिड फंड्स में कुल 1.56 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया। हाइब्रिड फंड्स की 6 कैटेगरी में से कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स को छोड़कर सभी में निवेश पॉजिटिव रहा। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में दिसंबर में नेट इनफ्लो 7,425 करोड़ रुपये का हुआ। इसके बाद एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 1,513 करोड़ रुपये का निवेश आया।

पैसिव फंड्स और ईटीएफ में उछाल

इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसी दूसरी स्कीम्स में दिसंबर के दौरान निवेश में 74% की तेज बढ़ोतरी हुई। नवंबर में जहां इन फंड्स में 15,385 करोड़ रुपये आए थे, वहीं दिसंबर में यह आंकड़ा बढ़कर 26,723 करोड़ रुपये हो गया। दिसंबर 2024 में पैसिव फंड्स में कुल निवेश सिर्फ 784 करोड़ रुपये था, ऐसे में इस साल की बढ़त काफी मजबूत मानी जा रही है।

कंपनियों में श्रमिकों से लगातार करवाया जा रहा खतरनाक काम बिना सुरक्षा व्यवस्था के, श्रम विभाग चुप

गुलशन कंपनी संयंत्र के बेल्ट में फंसने से कामगार की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौसर

बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र से एक बार फिर दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। यहाँ स्थित गुलशन कंपनी में बॉयलर बेल्ट में फसने के कारण एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई है। लगातार हादसो से बोरगांव की फैक्ट्रियां अब मजदूरों के लिए 'डेथ ट्रैप' बनती जा रही हैं।ख़बावजूद इसके कंपनी प्रबंधन एवं श्रम विभाग के अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है,शनिवार को हुई घटना में कबर पीपला निवासी कामगार धनराज गुजवार 54 वर्ष की दर्दनाक मौत हो गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कामगार की शाम 4 बजे के लगभग गुलशन कंपनी में बॉयलर में सफाई करने के दौरान बेल्ट में फंसने के कारण मौत हो गई है। कहां जा रहा है।घंटो तक कामगार धनराज की लाश बेल्ट में फसी रही थी।घटना की जानकारी कामगारों को मिलने के बाद में कंपनी में हाहंकार मच गया है।इस दोरांन सौसर एसडीएम सिद्धार्थ पटेल, लोधीखेड़ा थाना प्रभारी ए. बी. मर्सकोले, कॉलेज सौसर थाना प्रभारी रूपलाल उईके टीम के साथ में पहुंचकर मोर्चा संभाला।

मासूम कामगारों की हो रही मौ, गंभीर नही प्रबंधन और प्रशासन

गुलशन कंपनी के बेल्ट में फंसकर मजदूर की दर्दनाक मौत कोई पहला हादसा नहीं है।इसके पूर्व भी कई हाथ से औद्योगिक इकाइयों में श्रम विभाग के अधिकारियों की लापरवाही ओर सुरक्षा के बेहतर इंतेजामात नहीं होने के कारण हो चुके हैं।औद्योगिक इकाइयों में ठेका पद्धति से चल रहे कार्यों में सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर काम कराने की जिद में मासूम कामगारों जान जा रही है। शनिवार को कामगार धनराज की मौत का मंजर इतना खौफनाक था कि उसकी लाश घंटों बेल्ट में फंसी रही, जो कंपनी की संवेदनहीनता और लचर सुरक्षा व्यवस्था की गवाही दे रही है। कामगारों का कहना है कियह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर प्रबंधन की लापरवाही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काम करते समय न तो सुरक्षा का इंतजाम था और न ही बेल्ट की गुणवत्ता की जांच की गई थी। बेल्ट में फंसी हुई धनराज की लाश चीख-चीख कर सवाल पूछ रही है कि आखिर कब तक मजदूरों के खून से फैक्ट्रियों का टर्नओवर बढ़ाया जाएगा,आखिर विभाग के अधिकारी किसके दबाव में खामोश हैं? क्या श्रम विभाग और सुरक्षा की निरीक्षकों की जेबें इतनी भारी कर दी गई हैं कि उन्हें मजदूरों की चीखें सुनाई नहीं देतीं।

कंपनियों में लगातार हो रहे हादसे अधिकारी मौन

हाल ही में दो दिन पूर्व औद्योगिक क्षेत्र की केजीबी कंपनी में एक कामगार ऊपर से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया था, इसके बाद में अब यह बड़ा हादसा हो गया है। लगातार औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों में हो रहे हैं हादसों के कारण कामगारों में कंपनियां प्रबंधन के प्रति आक्रोश एवं कार्य को लेकर दर पनप रहा है।विधायक विजय चौरे ने कामगारों से चर्चा करते हुए बताया कि बहुत दर्दनाक घटना है, ऐसी घटनाएं होनी नहीं चाहिए, जब तक कामगार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक में बाहर नही जाउगा, घटना कैसे हुई इसकी पूरी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए साथ ही दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, पीड़ित को न्याय मुआवजा सारी चीजे मिलनी चाहिए, मैं और पूरी कांग्रेस परिवार मृतक के परिजनों ओर कामगारों के साथ हु। समाचार लिखे जाने तक कंपनी परिसर में गहमा गहमी और अधिकारियों के द्वारा जांच चर्चाये की जा रही थी।

कोठी में आपसी रंजिश के चलते सैलून में लगाई आग, सीसीटीवी में कैद हुई आरोपी की करतूत

सतना। जिले के कोठी कस्बे के मुख्य बाजार में शुक्रवार की देर रात आपसी विवाद ने भयानक रूप ले लिया। एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते एक सैलून की दुकान पर पेट्रोल छिड़ककर उसे आग के हवाले कर दिया। गनीमत रही कि घटना के वक्त दुकान बंद थी,जिससे कोई जनहानि नहीं हुई,लेकिन दुकान का कीमती सामान जलकर राख हो गया।जानकारी के मुताबिक,सैलून संचालक संदीप कुमार सेन शुक्रवार रात करीब 8 बजे अपनी दुकान बंद कर घर जा चुके थे। रात लगभग 11 बजे उन्हें अचानक दुकान में आग लगने की सूचना मिली। स्थानीय निवासियों की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया,जिससे बाजार की अन्य दुकानें सुरक्षित बच गईं। हालांकि,आग की चपेट में आने से सैलून के भीतर रखी कुर्सियां,कालीन और अन्य सामान पूरी तरह नष्ट हो गए।घटना की सूचना मिलते ही कोठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जब पुलिस ने आसपास लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाली,तो चौंकाने वाला सच सामने आया। फुटेज में दिखा आरोपी पास में ही चाय की दुकान चलाने वाला अजय चौधरी हाथ में पेट्रोल लेकर सैलून की तरफ जाता दिखाई दिया। आरोपी ने शटर के नीचे से पेट्रोल डालकर माचिस मार दी। फुटेज में यह भी दिखा कि आग लगाते समय आरोपी अजय के पैरों में भी आग लग गई थी,जिसके बाद वह बदहवास होकर वहां से भाग निकला। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार,पीड़ित संदीप और आरोपी अजय के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते अजय ने इस वारदात को अंजाम दिया।

जंगलों के सफेदपोश तस्करों पर वन विभाग का हल्लाबोल

अवस्थी ब्रदर्स के ठिकानों पर रेड, कटर मशीनों के साथ कीमती लकड़ी बरामद

शहडोल।

वन विभाग ने जिले में सक्रिय लकड़ी माफिया के एक ऐसे संगठित गिरोह की कमर तोड़ दी है, जो फर्जी टीपी (ट्रांजिट पास) के दम पर सरकारी खजाने को चूना लगा रहा था। वन विभाग की विशेष टीमों ने बुढ़ार और ब्यौहारी परिक्षेत्र में एक साथ सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए भारी मात्रा में अवैध सागौन, खैर और पेड़ काटने की आधुनिक मशीनें बरामद की हैं। यह कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि जिले के जंगलों को खोखला करने वाला सफेदपोश नेटवर्क अब रडार पर है। वन विभाग की टीम ने सबसे पहले बुढ़ार के ग्राम बुगरा में धावा बोला। यहां राम प्रवेश यादव की बाड़ी से 104 नग सागौन (3.109 घनमीटर) बरामद की गई। तस्करों की दुस्साहस देखिए, रात के अंधेरे में पिकअप वाहनों से अवैध लकड़ी ढोई जा रही थी। विभाग ने मौके पर ही घेराबंदी कर सारा माल जब्त कर लिया और आरोपियों के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया है। कार्रवाई की सबसे बड़ी गाज अशोक और सुनील अवस्थी के ठिकानों पर गिरी। ब्यौहारी के कोलमी वार्ड में अशोक अवस्थी के घर से न केवल लकड़ी, बल्कि बैटरी चालित चेन-सॉ मशीन और भारी मात्रा में कटर जब्त किए गए। वहीं, सुनील अवस्थी के पटदई स्थित ढाबा परिसर से 130 नग सागौन (2.079 घनमीटर) बरामद हुई। ढाबे की आड़ में अवैध लकड़ी का यह काला साम्राज्य लंबे समय से फल-फूल रहा था। जांच में जो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है, वह फर्जी टीपी का खेल है। तस्कर कागजों में हेराफेरी कर अवैध लकड़ी को वैध साबित करते थे और फिर उसे बेखौफ होकर देश के अन्य राज्यों में खपा देते थे। अब तक लगभग 6 घनमीटर कीमती लकड़ी जब्त की जा चुकी है, जिसकी बाजार कीमत लाखों में है। वन विभाग की इस कार्रवाई ने माफियाओं में हड़कंप मचा दिया है। विभाग अब इस गिरोह के मास्टरमाइंड और सरकारी महकमे में छिपे उनके मददगारों की कुंडली खंगाल रहा है। जल्द ही कुछ और बड़े चेहरों से नकाब उतर सकता है।

हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने पहुंचाया जेल

जुन्नारदेव। जुन्नारदेव पुलिस ने हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। इसके बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। शुक्रवार को सरकारी अस्पताल जुन्नारदेव से मृतक लखनलाल यदुवंशी पिता नन्दलाल यदुवंशी उम्र 65 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10 पंचशील कालोनी सोमाटेकडी जुन्नारदेव की मृत्यु के संबंध में सीएचसी. जुन्नारदेव से सूचना प्राप्त होने पर थाना में मर्ग क्रं. 01/2026 धारा 194 बीएनएसएसकायम कर जांच की गई। जांच के दौरान मृतक लखनलाल यदुवंशी के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया जिसमे डॉक्टर के द्वारा मृतक की मृत्यु का कारण मृतक के शरीर में आई हुई चोटे/आंतरिक चोटों के फलस्वरूप रक्त स्त्राव होने से हेमोथोरेक्स होने के कारण होना लेख किया गया। घटना के चश्मदीद साक्षीगणो से पूछताछ करने पर पाया गया कि 9 जनवरी शुक्रवार को दोपहर करीब 12.30 बजे मृतक के कुआँ वाले खेत में लगी फसल को आरोपियों की गाय, मैसो के द्वारा खेत में घुसकर खाने की बात को लेकर मृतक लखनलाल यदुवंशी के साथ आरोपीगण धनलाल यदुवंशी, राजकुमार यदुवंशी एवं ज्ञानचंद यदुवंशी के द्वारा लडाई झगडा कर राजकुमार उर्फ राजा यदुवंशी, धनलाल यदुवंशी और ज्ञानचंद यदुवंशी के द्वारा मृतक लखनलाल यदुवंशी को जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी एवं लठ से मारपीट कर मृतक की बांयी पसली के पास एवं पीठ में बाएं तरफ चोट पहुंचाकर तीनो के द्वारा एक राय होकर हत्या करना पाये जाने पर तीनो आरोपियो के विरूद्ध धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।उक्त हत्या का अपराध घटित होने पर पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पाण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जुन्नारदेव सुनील वरकड़े के द्वारा थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश बघेल को मृतक की हत्या करने वाले आरोपियो की त्वरित गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के पालन में जुन्नारदेव पुलिस के द्वारा हत्या करने वाले तीनो आरोपीगण राजकुमार उर्फ राजा यदुवंशी पिता ज्ञानचंद यदुवंशी उम्र 19 साल, धनलाल यदुवंशी पिता पूरनलाल यदुवंशी उम्र 33 साल एवं ज्ञानचंद यदुवंशी पिता पूरनलाल यदुवंशी उम्र 41 साल तीनो निवासी वार्ड नं. 10 पंचशील कालोनी सोमाटेकडी जुन्नारदेव को आज 10 जनवरी शनिवार को गिरफ्तार किया जाकर आरोपियो से घटना में प्रयुक्त दो नग कुल्हाड़ी एवं एक बांस की लाठी जप्त किया गया है। तीनो आरोपियो को न्यायालय पेश कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल छिन्दवाड़ा भेजा गया है।पूरे घटनाक्रम में पुलिस स्टाफ से निरीक्षक राकेश बघेल थाना प्रभारी जुन्नारदेव, उनि. मुकेश डोंगरे, उनि. मनोज चौधरी, सउनि. राजकुमार कुमरे, सउनि. सतीष दुबे, आर. 842 अनिल उइके, आर. 1103 संतोष धुर्वे, आर. 559 रामअवतार तिवारी, आर. 520 महेश, आर. 646 संदीप झरबड़े का विशेष योगदान रहा।

हत्या का प्रयास के प्रकरण में फरार चल रहे युवराज उर्फ बहादुर के अन्य दो साथी आरोपी आए गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता अवैध गतिविधियों एवं शहर में गुण्डागर्दी कर शहर में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ न केवल सख्त है, अपितु लगातार प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित कर रहे हैं। एएसपी दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्रीमती श्रृध्दा सोनकर के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा बारापत्थर क्षेत्र के हत्या के प्रयास के प्रकरण में लगभग 01 माह से फरार चल रहे कुख्यात आरोपी युवराज उर्फ बहादुर के अन्य दो आरोपी साथी साहिल खरे एवं शिवा दुबे की गिरफ्तारी की गयी। उल्लेखनीय है कि दिनांक 14/12/2025 की रात्रि करीबन 22/30 बजे प्रार्थी आर्यन धुर्वे एवं उसके दोस्त अमन घरते को युवराज उर्फ बहादुर तेकाम एवं उसके साथी साहिल खरे एवं शिवा दुबे द्वारा एक राय होकर प्राथर्थी एवं उसके दोस्त को पुरानी रंजिश को लेकर जान की मारने नियत से तलवार से प्राणघातक हमला कर चोट पहुंचाने पर एवं जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया जाकर तत्काल थाना स्तर पर आरोपियों की धरपकड़ हेतु टीम गठित कर युवराज उर्फ बहादुर तैकाम को दिनांक 06/01/2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था एवं फरार अन्य 12 आरोपी साहिल खरे एवं शिवा दुबे की तलाश संभावित स्थानों में लगातार की जा रही थी जिन्हे दिनांक 08/01/2026 को गिरफ्तार कर कर आज दिनांक 09/01/2025 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर ज्युडिशियल रिमांड प्राप्त जिला जेल भेजा गया है। पूर्व आपराधिक रिकार्ड:- 1. आरोपी साहिल खरे के विरूद्ध थाना कोतवाली सिवनी में मारपीट के 02 एवं जुआ एक्ट का 01 आपराधिक प्रकरण दर्ज है। 2. आरोपी शिवा दुबे के विरूध्द थाना डुण्डासिवनी में मारपीट के 07 आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

पुत्र ने माता-पिता से की मारपीट व दी जान से मारने की धमकी

अमानगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बम्होरी निवासी फरियादी महाराज सिंह राजपूत पिता स्वर्गीय रामदास सिंह राजपूत (उम्र 61 वर्ष) अपनी पत्नी उर्मिला बाई के साथ थाना अमानगंज उपस्थित होकर जुबानी रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने बताया कि उनके तीन पुत्र थे, जिनमें से छोटे पुत्र रामजी राजपूत का पूर्व में निधन हो चुका है। उन्होंने शेष दो पुत्रों -बड़े पुत्र किशोर सिंह एवं मंझले पुत्र जितेन्द्र सिंह राजपूत के बीच लगभग 10 वर्ष पूर्व संपत्ति का बंटवारा कर दिया गया था। मंझला पुत्र जितेन्द्र सिंह राजपूत शराब पीने का आदी है और आए दिन शराब के नशे में गाली-गलौच करता रहता है। फरियादी के अनुसार दिनांक 09 जनवरी 2026 की रात्रि लगभग 10 बजे जितेन्द्र सिंह शराब के नशे में उनके घर के दरवाजे पर आया और घर खाली करने की बात कहने लगा। फरियादी द्वारा यह कहने पर कि दोनों के मकान अलग-अलग हैं, आरोपी और उग्र हो गया। इस दौरान आरोपी ने फरियादी की पत्नी उर्मिला बाई के बाल पकड़कर घसीटा तथा लात-घूंसों से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए फरियादी, उनकी पुत्री विनिता बाई एवं नाती शैलेन्द्र सिंह राजपूत पर भी आरोपी ने डंडे से हमला किया। डंडा फरियादी के बाएं हाथ की छोटी उंगली के ऊपर कलाई (गदेली) में लगा, जिससे उन्हें चोट आई। मारपीट के दौरान उर्मिला बाई के सिर एवं पीठ में भी चोटें आईं। मारपीट के बाद आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि यदि घर नहीं छोड़ा तो सभी को खत्म कर देगा। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अमानगंज में संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है। पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही की जा रही है।

जंगली क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ पहुंचा प्रशासन, कटहरी गांव के 20 घर ध्वस्त

पन्ना। केन–बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत पन्ना जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र स्थित ग्राम कटहरी में आज जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम पन्ना, तहसीलदार पन्ना के नेतृत्व में तथा जिले के कई थानों के भारी पुलिस बल की मौजूदगी में आदिवासी परिवारों के करीब 20 घरों को विस्थापन के नाम पर गिरा दिया गया। जंगली और दुर्गम क्षेत्र में सुबह से ही प्रशासनिक अमला पहुंच गया। कार्रवाई के दौरान कई बार विवाद और तनाव की स्थिति बनी, लेकिन पुलिस बल की तैनाती के चलते हालात पर नियंत्रण रखा गया। प्रभावित परिवारों का कहना था कि उन्हें पर्याप्त पुनर्वास नहीं मिला, जबकि प्रशासन का दावा है कि विस्थापन को लेकर कई बार नोटिस दिए जा चुके थे। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों को एक नहीं बल्कि कई बार विस्थापन के लिए सूचित किया गया, लेकिन तय समय सीमा में स्थान खाली नहीं किया गया, जिसके चलते मजबूरी में यह अभियान चलाना पड़ा।

जीएसटी का 'हंटर': पन्नीलाल चौक के ज्वेलर्स पर गिरी गाज, 51 लाख की वसूली

सतना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पन्नीलाल चौक स्थित श्रीकृष्ण ज्वेलर्स और मां भगवती ज्वेलर्स के खिलाफ स्टेट जीएसटी की टीम ने तीन दिनों तक चली मैराथन जांच शुक्रवार को पूरी कर ली। टैक्स चोरी और हेरफेर के जाल में फंसे इन व्यापारियों से विभाग ने 51 लाख रुपए का अर्थदंड और टैक्स मौके पर ही वसूल किया है।

जांच में यह बात सामने आई कि एक ही छत के नीचे संचालित हो रही इन दोनों फर्मों का मालिकाना हक एक ही परिवार के पास है। श्रीकृष्ण ज्वेलर्स का जिम्मा रोहित अग्रवाल संभालते हैं,तो वहीं मां भगवती ज्वेलर्स की प्रोपराइटर उनकी पत्नी हैं। विभाग की रडार पर आए इन व्यापारियों ने टर्नओवर में तो करोड़ों का आंकड़ा दिखाया,लेकिन सरकारी खजाने में टैक्स जमा करने के बजाय उसे कागजी दांव-पेच में उलझा दिया।

सूत्रों के मुताबिक,इन फर्मों ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 5 से 6 करोड़ रुपए की भारी-भरकम बिक्री दिखाई है। चौंकाने वाली बात यह है कि व्यापारियों ने टैक्स की राशि नकद जमा करने के बजाय उसे इनपुट टैक्स क्रेडिट से सेटल करने का खेल रचा था। विभाग की पैनी नजर इसी 'सेटलमेंट' पर पड़ गई और सारा कच्चा चिट्ठा खुल गया।

बुधवार दोपहर 12:30 बजे जब असिस्टेंट कमिश्नर मनोरमा तिवारी और अमितसिंह पटेल के नेतृत्व में 12 से अधिक अधिकारियों ने दबिश दी,तो व्यापारियों में हड़कंप मच गया। तीन दिनों तक चले दस्तावेजों और स्टॉक के मिलान के बाद अंततः विभाग ने 51 लाख रुपए जमा करवाए।

बुजुर्ग महिला के मुंह में कपड़ा ठूंस कर जानलेवा हमला कर की लूटपाट

सतना। कोलगवां थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए माधवगढ़ क्षेत्र में हुई सनसनीखेज लूट और जानलेवा हमले की वारदात का महज कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है,जिन्होंने एक वृद्ध महिला को घर में अकेला पाकर उन पर घातक हमला किया और जेवरात लूट लिए। नगर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताएं कि 9 जनवरी की सुबह फरियादी बृजकिशोर सोनी ने थाना कोलगवां में सूचना दी कि उनकी चाची देवमनी सोनी निवासी माधवगढ़ अपने घर में लहुलुहान और बेहोशी की हालत में पड़ी हैं। घर का सामान बिखरा हुआ था और उनके मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। अज्ञात आरोपियों ने सिर और चेहरे पर रॉड व चाकू से जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने तत्काल धारा 331(8) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ.शिवेश सिंह बघेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक डी.पी. सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुदीप सोनी की टीम ने संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों ने कबूल किया कि 8-9 जनवरी की दरमियानी रात मड़फा मंदिर के पास बैठकर गांजा पीते समय उन्होंने चोरी की योजना बनाई थी। आरोपी उदय द्विवेदी के घर के सामने रहने वाली बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया गया। रात करीब 2 बजे आरोपी सरिया और चाकू लेकर घर में घुसे। आहट पाकर महिला जाग गई और उसने आरोपियों को पहचान लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने महिला पर ताबड़तोड़ वार किए और बेहोश होने पर सोने-चांदी के जेवरात मंगलसूत्र, पायल, बाज लूटकर फरार हो गए।

छेड़छाड़ के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

पन्ना। थाना अजयगढ़ अंतर्गत ग्राम देवगांव की घटना बताई जा रही है। जहां एक नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला अजयगढ़ थाने में घटित हुआ। जिसको लेकर अजयगढ़ पुलिस ने तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफतार करते हुए पास्को एक्ट एवं छेड़छाड़ का मामला पंजीबद्ध करते हुए संबंधित आरोपी को माननीय न्यायालय में पेष किया गया। समाचार लिखे जाने तक यह जानकारी प्रकाष में आई माननीय न्यायालय से आरोपी जहां से जेल भेजे जाने की बात भी बताई जा रही है। गौरतलब बात तो यह है कि अब गांवों में भी कहीं न कहीं सुरक्षा को लेकर सर्तकता जरूरी है। कहां किस हालात की स्थिति तय हो जाये कुछ कह पाना कठिन। संबंधित आरोपी गांव में आता जाता था जिसने इस घटना को अंजाम देने का कार्य किया। पुलिस की तत्परता से कानून के तहत जहां कार्यवाही भी तय हो सकी।

दोनों वन विभाग के कर्मचारियों पर लग रहे हैं मिली भगत के आरोप

तामिया रेंज एवं बफर जोन के बीच बहने वाली धाड़ नदी में हो रहा है रेत का अवैध उत्खनन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

सोना बन चुकी रेत ने अच्छे-अच्छे ईमानदार अधिकारियों को ईमान बेचने पर मजबूर कर दिया है और वह शासन के हित में नौकरी न कर रेत चोरों के हित में नौकरी करते नजर आ रहे हैं। ऐसे प्रत्यक्ष उदाहरण इसलिए दिया जा सकते हैं। राजस्व हो या वन भूमि मैं बहने वाली नदियों से रेत निकले जाने में मैदानी अमला पटवारी एवं नाकेदार के संरक्षण में रेत का अवैध उत्खनन होता चला रहा है जिसके निशान जंगल एवं राजस्व की भूमि में देखे जा सकते हैं, लेकिन इन दिनों रेत चोरों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वह मुख्य मार्ग की नदियों में रेत का अवैध खनन खुलेआम कर रहे हैं। ऐसा ही प्रत्यक्ष उदाहरण इन दिनों देलाखारी से कुर्सीढाना मार्ग पर वन भूमि एवं बफर जोन में बहने वाली धाड नदी जो आधी तामिया रेंज आदि बफर जोन देलाखारी मैं आती है उसमें रेत का अवैध उत्खनन जमकर किया जा रहा है। इस नदी में ट्रैक्टरों के टायर के निशाने से लगता है कि यहां पर महिनो से रेत का उत्खनन हो रहा है। ट्रैक्टर के टायरों के गहरे निशान 1 किलोमीटर के दायरे में देखे जा सकते हैं। वहीं रेत चोरों ने नदी की जल धारा को भी मोड़ दिया है। ऐसा इसलिए हो पा रहा है कि ना तो कुआं बादला सर्कल के बेलखेड़ी जंगल की देखभाल करने वाले नाकेदार ईस पर कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि इस सड़क पर रात दिन आवागमन रहता है। बावजूद इसके वन विभाग को नजर नहीं आना इस क्षेत्र के डिप्टी रेंजर एवं नाकेदार कि इस उत्खनन में मिली भगत का साफ इशारा करता है। वहीं रेंजर भी इस अवैध उत्खनन से खुद अंजान बने हुए हैं क्योंकि वो भी जंगल भ्रमण के लिए तो जाते ही होंगे उनको नजर नहीं आना भी आश्चर्य से काम नहीं है। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार वफर जोन के कक्ष क्रमांक 16 4 कंपार्टमेंट जो बफर जोन में आता है उस तरफ भी ट्रैक्टर के निशान एवं जलधारा को मोड़ने के प्रमाण देखे जा सकते हैं, लेकिन हैरत इस बात है की ना तो तामिया रेंजर ना इस क्षेत्र के नाकेदार डिप्टी रेजर और ना ही बफर जोन के नाकेदार रेंजर को इस धाड नदी में हो रहे रेत के अवैद्य उत्खनन पर कार्रवाई करने की फुर्सत है। लोगों का तो यह कहना है कि इन रेत चोरों को अधिकारियों का खुला संरक्षण मिला हुआ है। जिसके नतीजा वन अधिनियम का खुला उल्लंघन मुख्य मार्ग की नदी पर देखने मिल रहा है।

90 साल के रिटायर्ड पटवारी की संपत्ति बंटवारे के विवाद में पुत्र ने किया जानलेवा हमला

रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलपरा गांव में शुक्रवार देर शाम एक पारिवारिक विवाद ने सनसनीखेज रूप ले लिया। 90 वर्षीय रिटायर्ड पटवारी पर उनके ही पुत्र ने संपत्ति बंटवारे के विवाद में जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सिलपरा निवासी रामरतन वर्मा (90) शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त पटवारी हैं। उनकी तीन पत्नियां हैं, जिन्हें उन्होंने एक ही परिसर में रखा हुआ है, हालांकि तीनों के रहने के लिए अलग-अलग दरवाजे और आंगन बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि परिवार में लंबे समय से संपत्ति के बंटवारे को लेकर तनाव चल रहा था। शुक्रवार की देर शाम इसी मुद्दे को लेकर घर में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोप है कि तीसरी पत्नी के पुत्र महेंद्र वर्मा ने विवाद के दौरान अपने पिता रामरतन वर्मा पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वे

गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार सदस्यों ने बताया कि विवाद के दौरान बुजुर्ग पिता ने गुस्से में आरोपी युवक को अपना पुत्र मानने से इनकार कर दिया था। इसी बात से आक्रोशित होकर महेंद्र ने हमला कर दिया। घायल अवस्था में रामरतन वर्मा को तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय ने बताया कि मामले में आरोपी पुत्र महेंद्र वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं घायल बुजुर्ग का इलाज जारी है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

इमरान हाशमी की 'हक' ने ओटीटी पर किया धमाल

मुंबई। इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' ओटीटी पर लोगों की पसंदीदा बनी हुई है। सिनेमाघरों में फिल्म नवंबर, 2025 को रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने से चूक गई। इसका नेट कलेक्शन लगभग 20 करोड़ रुपये के आसपास था। 2026 की शुरुआत में 'हक' को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया जिसके बाद से इसने दर्शकों और चर्चा दोनों के जरिए अपनी लोकप्रियता को कायम रखा है। यह 14 देशों में टॉप 10 में शामिल है। नेटफ्लिक्स की साप्ताहिक रैंकिंग के मुताबिक, 'हक' अपनी स्ट्रीमिंग के बाद से भारत में नंबर 1 पर कब्जा जमाए हुए है।

लाइफ Style

नताली

'टॉक्सिक' के टीजर में मचाया तहलका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' 19 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है जिसने आते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। इस टीजर में यश प्रभावशाली गैंगस्टर 'राया' का किरदार निभाते दिखे हैं।

उनकी कुछ सेकंड की एंट्री देखकर लोगों ने उन्हें आने वाली सुनामी बता दिया है। अभिनेत्री नताली बर्न भी टीजर का हिस्सा हैं जिन्होंने छोटा सा बोल्ड सीन देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है। यूक्रेन के कीव में जन्मीं नताली गुस्लिस्टा उर्फ नताली, एक अमरीकी अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं। मिड-डे के मुताबिक उनकी उम्र का तो अंदाजा नहीं है, लेकिन हर साल 20 मई को वह अपना जन्मदिन मनाती हैं। पढ़ाई मॉस्को के बोल्शोई बैले स्कूल से हुई है। इसके अलावा वह लंदन के रॉयल बैले स्कूल की छात्रा भी रही हैं। नताली ने करियर की शुरुआत अभिनेत्री और मॉडलिंग से की। बाद में फिल्म निर्माता और लेखक भी बन गईं। नताली ने कई चर्चित फिल्मों के जरिए हॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उन्हें 'निम्फ' (2014), 'द एक्सपेंडेबल्स 3' (2014), 'एक्सेलेरेशन' (2019) और 'टिल डेथ डू अस पार्ट' (2023) जैसी कई फिल्मों में देखा गया है। 'द लास्ट रिडेम्पशन' (2024) में डायना की भूमिका के लिए उन्हें पूर्वी यूरोप फिल्म महोत्सव का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। निजी जिंदगी की बात करें तो अक्टूबर, 2024 में नताली ने एमी पुरस्कार विजेता निर्देशक, टिमोथी वुडवर्ड जूनियर से शादी की थी।

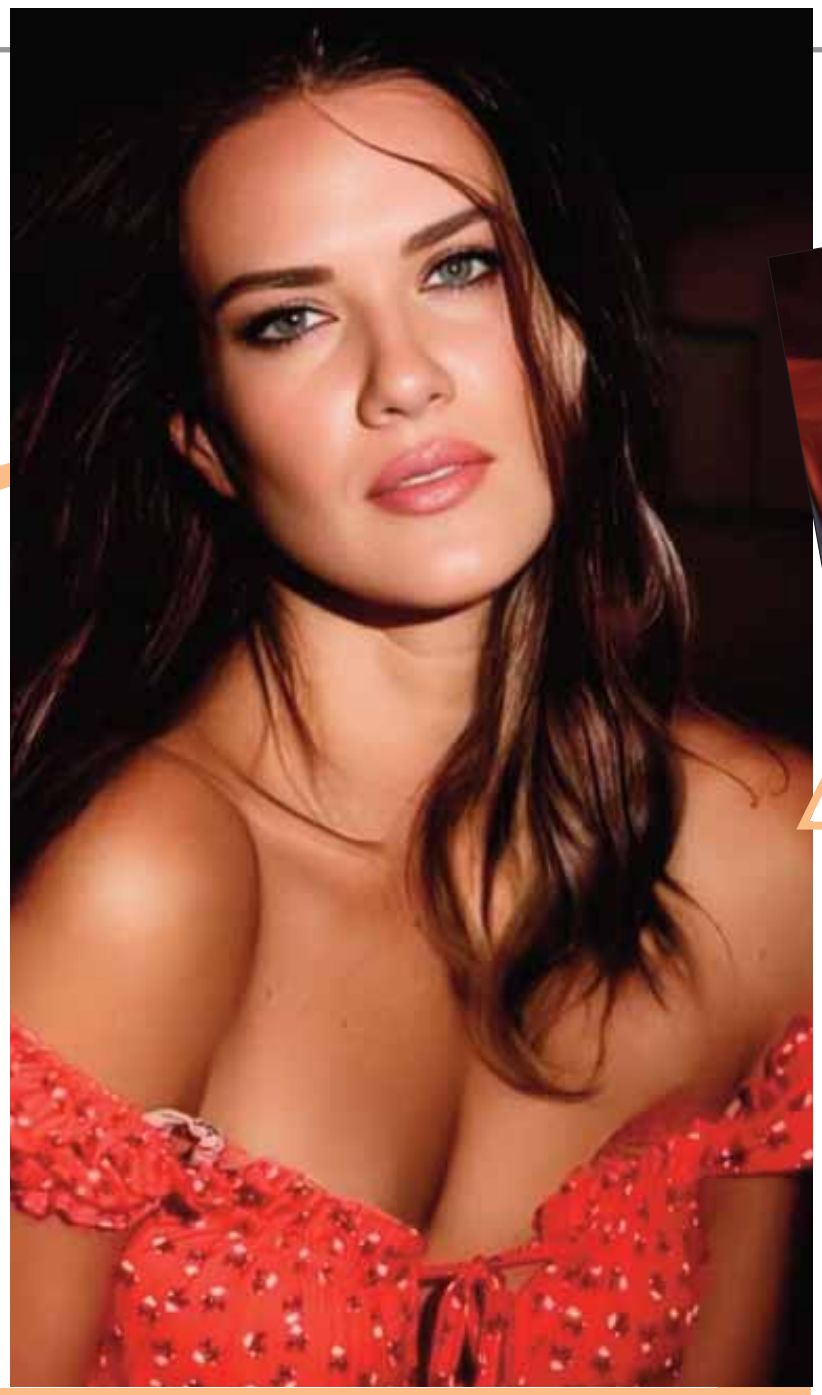

हॉलीवुड मसाला

विलेन बनकर मचाएंगी तबाही...

मुंबई। ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा हमेशा से कुछ नया करने के लिए जानी जाती हैं। फिलहाल तो उनके प्रशंसक आगामी फिल्म 'वाराणसी' का इंतजार कर रहे हैं जिसे बनाने की जिम्मेदारी एसएस राजामौली ने उठाई है। 2027 में इसे रिलीज करने की योजना है। इस बीच, पता चला है कि प्रियंका डिज्नी+ पावर रेंजर्स सीरीज का हिस्सा बन सकती हैं। उससे भी बड़ी बात तो यह है कि सीरीज में उन्हें सुपरविलेन के किरदार में देखा जा सकता है।

'एवेंजर्स डूम्सडे' तोड़ेगी मार्वल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

लॉस एंजिल्स। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली फ्रैंचाइजी 'एवेंजर्स डूम्सडे' का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। लगातार आने वाले फिल्म और कलाकारों से जुड़े अपडेट लोगों के उत्साह को चरम पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। अब नया अपडेट जानने के बाद मार्वल प्रशंसकों की खुशी ठिकाना नहीं होगा, क्योंकि ऐसा यूनिवर्स में पहली बार होने जा रहा है। दरअसल, 'एवेंजर्स डूम्सडे' की रिलीज से पहले इसकी अवधि को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हालिया एक्स रिपोर्ट के अनुसार, मार्वल अपनी सबसे लंबी फिल्म को सिनेमाघरों में पेश करने की तैयारी में है। मतलब यह कि 'एवेंजर्स डूम्सडे' की अवधि करीब 3 घंटे 45 मिनट होने की उम्मीद है। इसमें एंड क्रेडिट्स और पोस्ट-क्रेडिट दृश्य भी शामिल हैं।

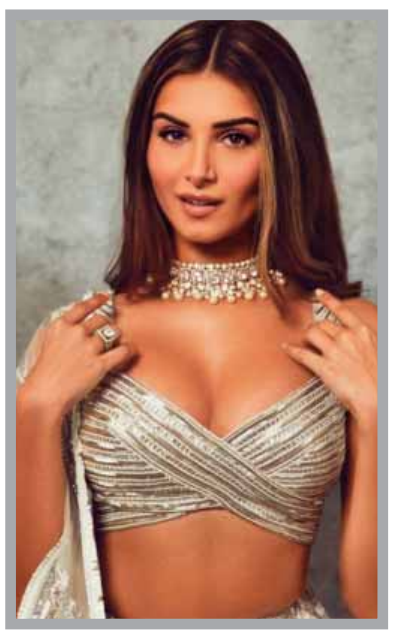

वीर की ब्रेकअप खबरों ने छेड़ी बहस...

मुंबई। साल 2026 का आगाज पूरी तरह से हुआ भी नहीं था कि बॉलीवुड में ब्रेकअप की खबर ने जोर पकड़ लिया है। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए हैं, इस अफवाह ने आते ही लोगों का ध्यान खींच लिया। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर इस फैसले के पीछे की वजह क्या है। वहीं कुछ लोग गायक एपी ढिल्लों को जिम्मेदार बता रहे हैं। ब्रेकअप की खबर से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ चुकी है। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, तारा और वीर का कथित ब्रेकअप हो चुका है। यह खबर मुंबई में एपी के कॉन्सर्ट विवाद के बाद आई है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने दावा करते हुए लिखा, 'फवाहें बढ़ती गईं। दबाव बढ़ता गया। रिश्ता खत्म हो गया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर गलती किसकी थी?'

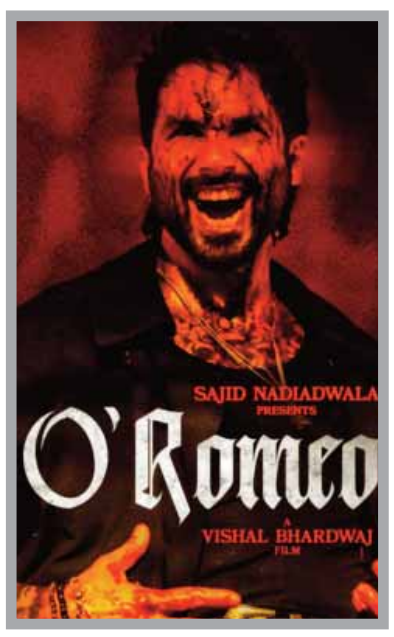

'ओ रोमियो' में ऐसे अवतार में दिखे

मुंबई। शाहिद कपूर की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' लंबे समय से चर्चा में हैं। निर्देशन विशाल भारद्वाज ने ज्यादा इंतजार न करवाते हुए मोशन पोस्टर जारी कर दिया है। साथ में बता दिया है कि वह शाहिद को नए अंदाज में दर्शकों के सामने पेश करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले किया गया है। मोशन पोस्टर के साथ 'ओ रोमियो' की रिलीज तारीख और टीजर का खुलासा भी किया गया है। 'ओ रोमियो' के मोशन पोस्टर में शाहिद का खून से लथपथ खतरनाक दिखाई दिया है। जोर से चिल्लाते हुए उनके चेहरे के रहस्यमयी भाव देखने लायक हैं। फिल्म में तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल और अरुणा ईरानी प्रमुख किरदार में हैं।

टीवी मसाला

'बिग बॉस मराठी 6' में दिखेंगे श्रेयस तलपड़े? खुद बताई सच्चाई

मुंबई। रितेश देशमुख का रियलिटी शो 'बिग बॉस' मराठी अपने छठे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। करीब 100 दिन तक चलने वाले इस रियलिटी शो में 16 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जिनके नाम जानने के लिए लोग काफी उत्सुक हैं। प्रतिभागियों की aकथित सूची में जैसे ही श्रेयस तलपड़े का नाम शामिल हुआ तो प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सोशल मीडिया पर जोर पकड़ रहीं इन चर्चाओं पर श्रेयस की प्रतिक्रिया भी आ गई है।

श्रेयस ने लोगों की उम्मीदों पर फेर दिया पानी

जूम/टेली टॉक इंडिया के साथ बातचीत में श्रेयस ने 'बिग बॉस मराठी' के छठे सीजन में आने की खबरों पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा, आजकल ऐसा कम देखने को मिलता है। यह झूठी अफवाहें हैं। प्लीज इन्हें नजरअंदाज करें। दुर्भाग्य से, अभिनेता सबसे आसान निशाना होते हैं और कुछ लोग सुर्खियां बटोरने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अभिनेता ने स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल वह इस रियलिटी शो का हिस्सा बनने के बिल्कुल मूड में नहीं हैं।

आज से दस्तक देगा 'बिग बॉस मराठी 6'

पिंकविला ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि अभिनेता श्रेयस को 'बिग बॉस मराठी 6' में बतौर प्रतियोगी देखा जाएगा। इस अपडेट से प्रशंसकों की खुशी सांतवें आसमान पर थी, लेकिन श्रेयस का स्पष्टीकरण उनका दिल तोड़ सकता है। 'बिग बॉस मराठी 6' 11 जनवरी से कलर्स मराठी और जियोहॉटस्टार पर हर रात 8 बजे प्रसारित होगा। उधर, श्रेयस के काम की बात करें तो उन्हें फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' और 'द गेम ऑफ गिरगिट' में देखा जाएगा।

प्रभास के दीवाने नकली मगरमच्छ लेकर देखने पहुंचे 'द राजा साब'

मुंबई। दक्षिण सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। पहले दिन सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। लोग इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया दे रहे है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोग भी हैरान हैं। दरअसल, प्रभास के दीवाने प्रशंसक फिल्म रिलीज का जश्न मनाने के लिए नकली मगरमच्छ लेकर सिनेमाघर पहुंचे हैं।

द राजा साब के जैसे पहने कपड़े : वीडियो में प्रशंसकों का उत्साह देखने लायक है जो 'द राजा साब' की थीम से प्रेरित कपड़े पहनकर, हाथ में नकली मगरमच्छ लिए सिनेमाघरों में एंट्री कर रहे हैं और जोर-जोर से नारे लगा रहे हैं। यह फिल्म के ट्रेलर में एक दृश्य की नकल करने के लिए था, जिसमें प्रभास का किरदार मगरमच्छ से लड़ाई करता है। 'द राजा साब' पैन इंडिया हॉरर-कॉमेडी है जिसमें संजय दत्त, मालविका मोहनन, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और जरीना वहाब हैं।

बॉलीवुड और साउथ के सितारों की महाजुगलबंदी ये नई जोड़ियां मिलकर लूटेंगी पूरा बॉक्स ऑफिस

मुंबई। आने वाले समय में बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की सीमाएं धुंधली होती नजर आएंगी। कई बड़ी फिल्मों में दोनों इंडस्ट्री के सितारे पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। जहां यश और कियारा आडवाणी फिल्म 'टॉक्सिक' में साथ आ रहे हैं, वहीं प्रियंका चोपड़ा और साउथ सुपरस्टार महेश बाबू भी 'वाराणसी' के जरिए एक बड़ी जुगलबंदी करने वाले हैं। साउथ और बॉलीवुड का ये महासंगम बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड्स की कहानी लिख सकता है।

यश-कियारा और प्रियंका-महेश बाबू : साउथ सुपरस्टार यश और बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कियारा आडवाणी पहली बार फिल्म 'टॉक्सिक' में साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर 'धुरंधर 2' से होगी। उधर एसएस राजामौली अपनी नई फिल्म 'वाराणसी' ला रहे हैं, जिसमें साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू 'रुद्र' के अवतार में और प्रियंका चोपड़ा 'मंदाकिनी' के किरदार में नजर आएंगी। ये फिल्म 1,300 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बन रही है।

प्रभास-तृप्ति डिमरी और रणबीर कपूर-साई पल्लवी : प्रभास और तृप्ति डिमरी को

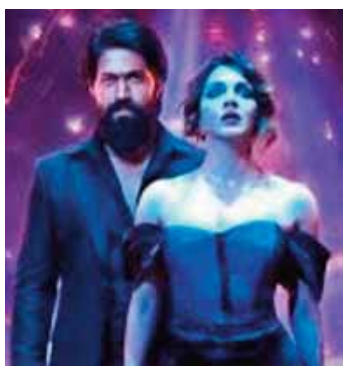

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' में साथ ला रहे हैं। फिल्म में तृप्ति, प्रभास से रोमांस करती दिखेंगी। ये उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। निर्देशक नितेश तिवारी भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े प्रोजेक्ट 'रामायण' को पर्दे पर उतारने के लिए तैयार हैं। इस महाकाव्य फिल्म में रणबीर कपूर 'भगवान राम' की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, वहीं साउथ की बेहद प्रतिभाशाली अभिनेत्री साई पल्लवी 'माता सीता' के पवित्र किरदार को जीवंत करेंगी।

कार्तिक आर्यन-श्रीलीला और जाह्नवी कपूर-राम चरण : बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता कार्तिक आर्यन अब साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। इस फिल्म से श्रीलीला बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। निर्देशक अनुराग बसु की इस फिल्म को एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा बताया जा रहा है। उधर साउथ के सुपरस्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर 'पेद्दी' नाम की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के लिए साथ आए हैं। उनकी ये फिल्म 27 मार्च, 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी।

अल्लू अर्जुन-दीपिका पादुकोण : निर्देशक एटली, जिन्होंने 'जवान' से बॉक्स ऑफिस हिला दिया था, अब अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण के साथ एक एक साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म ला रहे हैं। इसके जरिए पहली बार अल्लू और दीपिका की जोड़ी बन रही है। खबर है कि 600 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट वाली इस फिल्म में अल्लू अर्जुन एक नहीं, बल्कि 3 अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे।

विजेताओं का फैसला फरवरी में लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया जाएगा

ऑस्कर लिस्ट में 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' की मजबूत दावेदारी

मुंबई। *ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बेफ्टा) 2026 की पहली 'लॉन्ग लिस्ट' जारी कर दी गई है, जिसने ऑस्कर से पहले पूरे हॉलीवुड में हलचल पैदा कर दी है। दिग्गज अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित कर दी है। उनकी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' बेफ्टा की शुरुआती सूची में रिकॉर्ड 16 श्रेणियों में जगह बनाकर सबको पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, उनके सामने कई दिग्गज सितारे भी अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।*

पुरस्कार की दौड़ में ये पांच फिल्में शामिल

पॉल थॉमस एंडरसन के निर्देशन में बनी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' इस साल दुनिया के प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कारों में से एक बेफ्टा की सबसे बड़ी दावेदार बनकर उभरी है। लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत इस फिल्म को रिकॉर्ड 16 श्रेणियों में जगह मिली है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म से लेकर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता जैसी प्रमुख श्रेणियां शामिल हैं। इसके अलावा 'हैमनेट' और 'सिनर्स' को 14, 'मार्टी सुप्रीम' को 13 और 'फ्रेंकस्टीन' ने 12 श्रेणियों में नामांकन हासिल किया है।

हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता आमने-सामने

अभिनय की श्रेणियों में इस बार मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। लियोनार्डो डिकैप्रियो अपनी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' के लिए रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, उन्हें कड़ी चुनौती दे रहे हैं टिमथी चालमेट, जिन्हें फिल्म 'मार्टी सुप्रीम' के लिए नामांकित किया गया है। इसके अलावा, माइकल बी जॉर्डन ने अपनी फिल्म 'सिनर्स' और डेनियल कालुआ ने फिल्म 'द अपर रूम' के लिए इस प्रतिष्ठित सूची में अपनी जगह पक्की की है।

निर्देशन की दुनिया के ये 6 बड़े नाम रेस में शामिल

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन की श्रेणी में दुनिया के कुछ सबसे बेहतरीन निर्देशकों ने अपनी जगह बनाई है। रेस में सबसे आगे पॉल थॉमस एंडरसन का नाम है, जिन्होंने अपनी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' के जरिए निर्देशन की नई परिभाषा लिखी है। उन्हें कड़ी टक्कर दे रही हैं ऑस्कर विजेता क्लो झाओ, जिनकी फिल्म 'हैमनेट' को लॉन्ग लिस्ट में खास तवज्जो मिली है। इस गौरवशाली सूची में रयान कूगलर, मैगी गिलेनहाल, जोश सफदी और योर्गोस लैंथिमोस जैसे नाम भी शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में इनकी दावेदारी

दूसरी ओर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में जेसी बकली फिल्म 'हैमनेट' के लिए सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। उनके साथ इस मुकाबले को और भी रोमांचक बना रही हैं डायोन ग्रिफिथ, जिन्हें फिल्म 'क्वीनी' के लिए सराहा गया है। इस सूची में रेबेका फालुसन (प्रिंसेस) और मरिना वैक्ट (द मदर) जैसी प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों के नाम भी शामिल हैं, जिन्होंने फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों को भी अपना मुरीद बना लिया।

14 जनवरी को होगा विजेताओं का ऐलान

बेफ्टा की इस लॉन्ग लिस्ट ने 2026 के पुरस्कार समारोह को बेहद रोमांचक बना दिया है। अब सबकी नजरें 14 जनवरी पर टिकी हैं, जब फाइनल नामांकन की घोषणा होगी। विजेताओं का फैसला फरवरी में लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया जाएगा।